Seat No. : _____

CC-104

March-2021

M.A., Sem.-I

CC-403 : Hindi
(काव्यशास्त्र)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

विभाग – I

निम्नलिखित **आठ** प्रश्नों में से कोई भी **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. भारतीय काव्यशास्त्र का महत्त्व समझाते हुए आचार्य भामह का परिचय दीजिए । **14**

2. संस्कृत काव्यशास्त्र की विकास रेखा समझाते हुए लक्षणों का परिचय दीजिए । **14**

3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र में अरस्तू के योगदान का परिचय दीजिए । **14**

4. हिन्दी कविता की काव्यशास्त्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए । **14**

5. हिन्दी के रीतिकालीन काव्य चिंतन में केशवदास के योगदान का परिचय दीजिए । **14**

6. रीतिकालीन आचार्य भिखारीदास एवम् देव का परिचय दीजिए । **14**

7. हिन्दी आलोचना के विकास की चर्चा करते हुए आलोचक रामचंद्र शुक्ल का परिचय दीजिए । **14**

8. आलोचना के क्षेत्र में आलोचक डॉ. नामवर सिंह का योगदान समझायें । **14**

विभाग – II

9. निम्नलिखित **आठ** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में कोई भी **चार** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **8**

(1) 'काव्यालंकार सूत्र वृत्ति' ग्रंथ के ग्रंथकार का नाम बताइये ।

(a) भामह (b) अभिनव गुप्त

(c) वामन (d) मम्मट

(2) 'काव्यानुशासन' किस आचार्य की रचना है ?

(a) राजशेखर (b) अभिनव गुप्त

(c) मम्मट (d) हेमचंद्राचार्य

(3) पाश्चात्य समीक्षक अरस्तू का समयकाल कब तक का माना जाता है ?

(a) 184 – 121 ई.पू. (b) 284 – 221 ई.पू.

(c) 384 – 321 ई.पू. (d) 322 ई.पू.

(4) 'विखण्डनवाद' के रचयिता कौन हैं ?

(a) कॉलरिज (b) डॉ. जॉनसन

(c) जाक देरिदा (d) इलेनी शोवॉल्टर

(5) 'भावविलास' किस रीतिकालीन आचार्य की रचना है ?

(a) केशवदास (b) चिंतामणि

(c) मतिराम (d) देव

(6) 'वृत्तकौमुदी' किस रीतिकालीन आचार्य की रचना है ?

(a) केशवदास (b) चिंतामणि

(c) मतिराम (d) देव

(7) 'निरन्तर परिवर्तनशील और परिवर्धमान (सांस्कृतिक) सांस्कृतिक उपलब्धियों के लिखित रूप को ही हम सामान्य रूप से साहित्य कहते हैं' – यह मत किस समीक्षक का है ?

(a) रामचंद्र शुक्ल (b) नंददुलारे वाजपेयी

(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी (d) डॉ. नगेन्द्र

(8) डॉ. नगेन्द्र ने व्यावहारिक समीक्षा के लिए कुल कितने आधारों की कल्पना की है ?

(a) दो (b) तीन

(c) चार (d) पाँच